महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय

मोतिहारी, पूर्वी चंपारण, बिहार - 845401

हिन्दी विभाग

द्वारा आयोजित

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार

विषय : महामारी, साहित्य एवं समाज

दिनांक 26 मई 2020 मंगलवार, समय 11:00 से 1:00 तक

अध्यक्षता :-

प्रो. संजीव कुमार शर्मा

कुलपति, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय
मोतिहारी, बिहार

आमंत्रित वक्ता :-

प्रो. रजनीश कु. शुक्ल

कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय
हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

प्रो. नंद किशोर पांडेय

निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान,
आगरा, उत्तर प्रदेश

प्रो. श्यौराज सिंह बेचैन

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

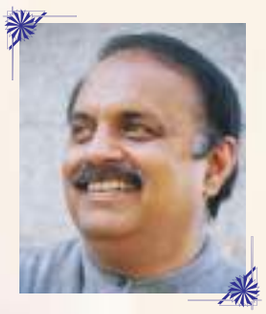

श्री तेजेन्द्र शर्मा

प्रवासी साहित्यकार,
इंग्लैंड

पंजीकरण के लिए निम्न लिंक पर स्पर्श करें -
https://forms.gle/Kd3TBWMrpxegRgXF9

संयोजक :-

प्रो. राजेन्द्र सिंह

आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा संकाय

सह-संयोजक :-

डॉ. अंजनी कु. श्रीवास्तव, सह आचार्य हिन्दी, डॉ. आशा मीणा, सहायक आचार्य हिन्दी

आयोजन समिति :-

डॉ. गरिमा तिवारी, सहायक आचार्य हिन्दी, श्री श्यामनंदन, सहायक आचार्य हिन्दी, डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा, सहायक आचार्य हिन्दी

तकनीकी सहायक :- श्री दीपक दिनकर

94164-07834

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय

मोतिहारी, पूर्वी चंपारण, बिहार - 845401

हिन्दी विभाग

द्वारा आयोजित

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार

विषय : महामारी, साहित्य एवं समाज

दिनांक 26 मई 2020 मंगलवार, समय 11:00 से 1:00 तक

वर्तमान समय साहित्य एवं समाज के अंतर्द्वंद्व का एक ऐसा समय है, जिसने तमाम प्रकार की अनिश्चितताओं से मानव मन को भयभीत कर दिया है। दिन-प्रतिदिन कोरोना संक्रमितों की संख्या का बढ़ते जाना, संक्रमित रोगियों का मृत्यु का ग्रास बनना, सड़कों पर मजदूरों का हुजूम, घर लौटने की जिजीविषा और ऐसे वातावरण में परस्पर मदद के लिए तत्पर लोगों के दृश्यों से एक नई ही प्रकार की दुनिया निर्मित हो गई है। यह अनायास और अनपेक्षित है। यह कल्पनातीत है। ऐसा लगता है कि जीवन के शांत और निर्मल बहते पानी में किसी ने एक बड़ा-सा ढेला जोर से फैंक दिया है। जीवन की शैली ही बदल गई है। प्राथमिकताएं और ही हो गई हैं। पूरा विश्व महामारी के दौर से गुजरते हुए नए रूप में स्वयं को ढाल रहा है।

ऐसा नहीं है कि यह महामारी का समय पहली बार घटित हुआ हो। इससे पहले भी कई बार हम प्लेग और हैजा की चपेट में आ चुके हैं। सवाल यह है कि इससे उबरने में हमारी शिक्षा का संस्कार कितना काम आता है। हमारा साहित्य इसका क्या समाधान खोजता है और शिक्षा और साहित्य से जुड़े हुए तमाम लोग समाज में किस प्रकार सकारात्मकता का वातावरण बनाते हैं। इस समय ज्ञान की तमाम धाराओं - समाजविज्ञान, विज्ञान, अर्थशास्त्र, दर्शन और साहित्य सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि ऐसे तंग समय में वे समाज को नेतृत्व दें। उसे निराशा से बाहर निकालें।

इन सभी बिंदुओं को मद्देनज़र रखते हुए हिन्दी विभाग, महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने देश के जाने-माने और लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों को सारगर्भित व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया है, जिनके विचारों को वेबिनार के माध्यम से शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी आत्मसात् करेंगे। आप सबसे विनम्र अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण करवाकर वेबिनार के महती उद्देश्य को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

पंजीकरण निःशुल्क है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 25.05.2020 शाम 5:00 बजे तक है। प्रतिभागी गूगल फार्म द्वारा पंजीकरण कराएं। प्रतिभागियों को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी पंजीकृत ईमेल पर दी जाएगी। सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को ई प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

इच्छुक प्रतिभागी https://forms.gle/Kd3TBWMrpxegRgXF9 लिंक पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं।

वेबिनार **Google Meet** के माध्यम से किया जाएगा।

अध्यक्षता :-

प्रो. संजीव कुमार शर्मा
कुलपति, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय
मोतिहारी, बिहार

आमंत्रित वक्ता :-

प्रो. रजनीश कु. शुक्ल
कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

प्रो. नंद किशोर पांडेय
निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, उत्तर प्रदेश

प्रो. श्यौराज सिंह बेचैन
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

श्री तेजेन्द्र शर्मा
प्रवासी साहित्यकार, इंग्लैंड

संयोजक :-

प्रो. राजेन्द्र सिंह, 9416407834
आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा संकाय

सह-संयोजक :-

डॉ. अंजनी कु. श्रीवास्तव, सह आचार्य हिन्दी, 9679524503
डॉ. आशा मीणा, सहायक आचार्य हिन्दी, 9013689766

आयोजन समिति :-

डॉ. गरिमा तिवारी, सहायक आचार्य हिन्दी, 6204322721
श्री श्यामनंदन, सहायक आचार्य हिन्दी, 9453154515
डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा, सहायक आचार्य हिन्दी, 9764513071

तकनीकी सहायक :- **श्री दीपक दिनकर** 94164-07834